कक्षा - आठवीं   पाठ - 13.
विषय - हिन्दी   जहाँ पहिया है
— पी० साईनाथ

शब्दार्थ

फब्ती - चोट करने वाली या चुभती बात
यकीन - विश्वास
सर्वाधिक - सबसे अधिक
प्रतीक - चिह्न
सार्वजनिक - जो सभी के लिए हो
स्वाधीनता - आजादी
नवसाक्षर - नए सीखने वाले
कौशल - निपुणता
आंदोलन - क्रांति
जंजीर - बंधन
प्रदर्शन - दिखाना
रूढ़िवादी - प्राचीन दकियानूसी विचार
पृष्ठभूमि - आधार
स्वीकृति - मान्यता
अद्भुत - अजीब
आर्थिक - धन से संबंधित
बेशकीमती - बहुमूल्य

पाठ्यपुस्तक के प्रश्न - अभ्यास

Scanned with CamScanner

पाठ्यपुस्तक के प्रश्न-अभ्यास

जंजीरें

"... उन जंजीरों को तोड़ने का जिनमें वे जकड़े हुए हैं, कोई-न-कोई तरीका लोग निकाल ही लेते हैं..."

1. आपके विचार से लेखक 'जंजीरों' द्वारा किन समस्याओं की ओर इशारा कर रहा है?

उत्तर :— लेखक पी॰ साईनाथ 'जंजीरों' के माध्यम से निरक्षरता, गरीबी, अंध-विश्वास, पिछड़ेपन, रूढ़िवादिता आदि समस्याओं की ओर संकेत कर रहे हैं। तमिलनाडु के जिला पुडुकोट्टई में महिलाओं में अधिक जागृति न थी। पिछड़ेपन के कारण ही पुरुष प्रधान समाज में नारी को केवल वस्तु समझा जा रहा है।

2. क्या आप लेखक की इस बात से सहमत हैं? अपने उत्तर का कारण भी बताइए।

उत्तर :- लेखक पी॰ साईनाथ द्वारा कही उक्त पंक्ति से मैं पूर्णतः सहमत हूँ। मनुष्य स्वभावानुसार अधिक समय तक बंधनों में नहीं रह सकता। किसी-न-किसी चीज का सहारा पाकर उन बंधनों की जंजीरें अवश्य टूटती हैं और वे स्वच्छंदता को प्राप्त करते हैं। ठीक वैसे ही पुडुकोट्टई जिले की महिलाओं के साथ भी हुआ। वे भी रूढ़िवादिता व पुरुष प्रधान समाज की जंजीरों में जकड़ी थीं - लेकिन साइकिल चलाने से उनके जीवन में इतना परिवर्तन आया कि उनका जीवन ही बदल गया। उनमें आत्मसम्मान की भावना जाग्रत हुई इससे वे आत्मनिर्भर भी हो गईं। साइकिल चलाना उनकी 'आजादी का प्रतीक' बन गया।

पहिया

1. 'साइकिल आंदोलन' से पुडुकोट्टई की महिलाओं के जीवन में कौन-कौन से बदलाव आए हैं?

उत्तर :- साइकिल आंदोलन से पुडुकोट्टई की महिलाओं में निम्न बदलाव आए :—

1. स्त्रियों में आत्मसम्मान की भावना जाग्रत हुई।
2. वे रूढ़िवादिता व पुरुषों द्वारा थोपे गए रोजमर्रा के घिसे-पिटे दायरे से बाहर निकल सकीं।
3. इससे महिलाओं की आय में वृद्धि हुई वे अगल-बगल के गाँवों में भी उत्पाद बेचने जा सकती हैं।
4. उन्हें आराम करने का भी समय मिल जाता है।
5. सबसे बड़ी बात वे साइकिल को अपनी 'आजादी का प्रतीक' मानती हैं।

Scanned with CamScanner

2. शुरुआत में पुरुषों ने इस आंदोलन का विरोध किया परन्तु आर. साइकिल्स के मालिक ने इसका समर्थन किया, क्यों?

उत्तर :- जब स्त्रियों ने बड़ी संख्या में साइकिल चलाना सीखना शुरू किया तो पुरुषों ने इसका विरोध किया क्योंकि उन्हें डर था कि इससे नारी समाज में जागृति आ जाएगी। उन पर कई प्रकार के व्यंग्य भी किए। लेकिन महिलाओं ने इनकी परवाह न करके साइकिल चलाना जारी रखा। धीरे-धीरे महिलाओं द्वारा साइकिल चलाने को सामाजिक स्वीकृति प्राप्त हो ही गई।

एक साइकिल विक्रेता 'आर. साइकिल्स' के मालिक ने इसका समर्थन किया। इस समर्थन का मुख्य कारण साइकिल्स की अत्याधिक बिक्री थी। यहाँ तक कि जिन महिलाओं को लेडीज साइकिल नहीं मिल पाई थीं उन्होंने जेंट्स साइकिलें ही खरीद लीं। इतनी तीव्र गति से वृद्धि होने के कारण ही आर. साइकिल्स के मालिक ने 'साइकिल आंदोलन' का पूरी तरह से समर्थन किया।

3. प्रारंभ में इस आंदोलन को चलाने में कौन-कौन सी बाधा आई?

उत्तर :- प्रारंभ में इस साइकिल आंदोलन को चलाने में महिलाओं को अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। लोग उन पर गंदी-गंदी टिप्पणियाँ कसते थे लेकिन महिलाएँ बिना किसी की परवाह किए निरंतर आगे की ओर अग्रसर ही होती रहीं।

प्रश्न :- साइकिल को विनम्र सवारी क्यों कहा गया है?

उत्तर :- साइकिल को विनम्र सवारी इसलिए कहा गया है, क्योंकि यह एक सस्ता और टिकऊ साधन है। इसकी मरम्मत में धन का अधिक व्यय नहीं होता। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसकी गति तीव्र नहीं है। सस्ती होने के कारण 'साइकिल' गरीब और अमीर - सभी की पहुँच में है। साइकिल व्यायाम के उद्देश्य को भी पूर्ण करती है। इसे चलाने से स्वास्थ्य ठीक रहता है। उक्त सभी तथ्यों के कारण ही साइकिल को विनम्र सवारी कहा गया है।

Scanned with CamScanner